मनोज
कॉमिक्स विशेषांक
संख्या : मूल्य 16.00
महाबली शेरा
खूनी दानव की वापसी
Edited By Mohit Raghav
C.M.Vitankar
RAJ COMICS FAN NATION

खूनी दानव की वापसी
चित्रकार . सुरेन्द्र सुमन
कथानक

राजनगर सिटी हॉस्पिटल में —
आ...ह !
राजनगर सिटी हॉस्पिटल
अचानक एक झटके से उठकर बैठ गया वह ।
म... मैं कहां हूं ?
डॉक्टर अब्दुल वाहिद उसकी तरफ बढ़े ।
कहां हूं मैं ?
शुक्र है अल्लाह का ! आखिर तुम्हें होश आ ही गया ।
यह सिटी हॉस्पिटल है मि० । पिछले दस वर्षों से यहां इलाज चल रहा था तुम्हारा ।
यस ! तुम पिछले दस सालों से इस हॉस्पिटल में हो। आज दस साल बाद बेहोशी टूटी है तुम्हारी।
द... दस साल ! इसका मतलब मैं...!
ओह !

लेकिन मैं यहां पहुंचा कैसे?
दस साल पहले एक शिकारी तुम्हें बुरी तरह घायल अवस्था में सोना के जंगलों से उठा कर यहां लाया था। तुम्हारा बायां हाथ भी कटा हुआ था।
डॉ॰ अब्दुल वाहिद की बात सुन कर उसका ध्यान पहली बार अपने हाथ की तरफ गया और वह बुरी तरह चीख उठा।
नहीं sss. यह नहीं हो सकता।
हिम्मत रखो दोस्त। शायद होनी को यही मंजूर था। अल्लाह की मर्जी के आगे इन्सान...
...की कुछ नहीं चलती।
ओह!
अचानक कुछ याद करके वह शख्स चौंक पड़ा।
खूनी दानव कहां है?
खूनी दानव?
ओह समझा! तो तुम्हारी यह हालत खूनी दानव ने ही की थी, लेकिन अब घबराने...
...की कोई बात नहीं, खूनी दानव को खत्म हुए दस साल बीत चुके हैं।
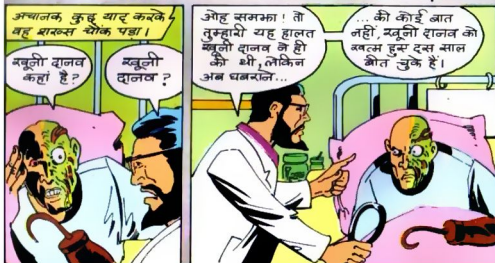
क्या ! खूनी दानव खत्म हो गया ? किसने खत्म किया उसे ?
राम- रहीम, महाबली शेरा और काला-प्रेत ने !
फिर डॉ० अब्दुल वाहिद उसे खूनी दानव के मारे जाने की कहानी सुनाने लगे ।
पूरी कहानी सुना कर वह बोले —
अगर वे चारों अपने साहस और बुद्दि के बल पर खूनी दानव को नष्ट नहीं करते तो पूरे विश्व को तबाह कर डालता वह शैतान ।
ओह !
75
अब तुम आराम करो । मैं और मरीजों को देख कर आता हूं ।
इतना कह कर डॉ० अब्दुल वाहिद कक्ष से चले गये...
...और मरीज के सीने में उठते तूफान को पीछे छोड़ गये ।
नहीं, खूनी दानव खत्म नहीं हो सकता। ऐसा कभी नहीं हो सकता !
अगले ही पल-
मैं खुद जाकर देखूंगा उस जगह को, जहां खूनी दानव का अंत हुआ था ।
द्वार की ओर बढ़ते उसके लड़खड़ाते कदमों में गजब की तेजी थी
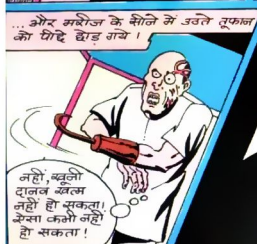
कुछ ही देर बाद लाल नदी के तट पर।
वो सामने जो सुनसान जगह दिख रही है, वहीं खूनी दानव खत्म हुआ था।
ओह।
रात काफी हो गयी है साहब, मुझे घर जाना है। आप मेहरबानी करके मेरा किराया दे दीजिये।
किराया!
हां। वह तो तुम्हें देना ही होगा।
दूसरे ही क्षण—
खच्च
आ ऽऽऽ
यह लो अपना किराया।
मूर्ख! मुझसे दुनिया को सिर्फ मौत मिलती है, मौत।
फिर उसके कदम अपने लक्ष्य की तरफ उठ गये।

कुछ क्षण बाद वह अपनी मंजिल पर खड़ा था।

इतनी बड़ी-बड़ी हड्डियां।

यही है खूनी दानव के अवशेष!

उन हड्डियों को देख उस व्यक्ति की आंखों में खून उतर आया था।

इतनी आसानी से खत्म नहीं हो सकता खूनी दानव। जब तक दुनिया मेरे सामने नत मस्तक होकर मुझे भगवान न मान ले, तब तक जिन्दा रहना होगा खूनी दानव को।
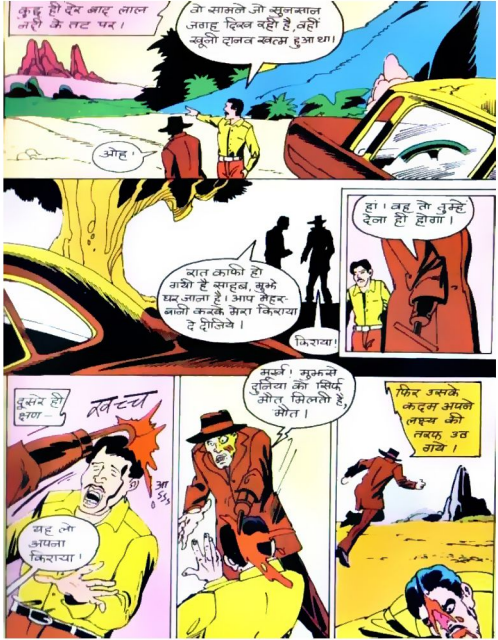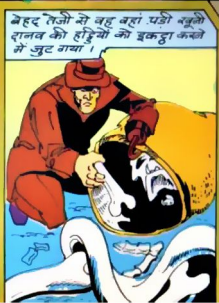
...मांस सिर्फ एक ही आदमी चढ़ा सकता है और वो है मेरा छोटा भाई नागा बाबा।
उससे मिलने नागा पहाड़ी पर आज ही जाना होगा मुझे।
ज़ूंSSS
विकराला के खतरनाक जंगलों में स्थित नागा पहाड़ी। कहते हैं संसार के सबसे...
...जहरीले और खतरनाक सांप रहते हैं इस जंगल में।
और यह है विकराला के जंगलों का बेताज बादशाह नागा बाबा!

...यह सदा की भांति आज भी अपने प्रिय शौक में मशगूल है।
उफ! जाने क्या जादू है नागा बाबा की बीन में कि उसे सुन कर सर्प पाताल में से भी बाहर निकल आते हैं।
पीं... पीं...
नागा बाबा की बीन पर, सर्प तेजी से खिंचते चले आ रहे थे।
अचानक बीन बजानी बन्द कर दी नागा बाबा ने और झपट पड़ा सर्पों पर।
फौंsss...
हा... हा... हा...! दुनिया के सबसे जहरीले नागों...
फुंsss... फौंsss...
...जरा नागा बाबा को तो दिखाओ अपना जहर।
फुस्स्स!
दोनों नाग उस पर टूट पड़े।
फिस्स्स!
फिस्स्स!

अगले पल अपने हाथों में फंसे नागों को तड़पता देख ठहाका लगा उठा नागा बाबा।
हा... हा... हा...! तड़प रहे हैं बेचारे। जानते नहीं बाबा में इतना जहर भरा है कि जहरीले से जहरीले नाग भी दम तोड़ देते हैं।
ठीक इनकी तरह। हा... हा... हा...!
फिर उसने उन नागों को एक तरफ बने नाग कुंड में उछाल दिया।
तुम भी जाओ मेरे नाग कुंड में।
तभी—
नागा!
कौन?
ठीक किसी नाग की तरह फुफकारा नागा बाबा।
इतने अपमानित ढंग से मुझे पुकारने वाले, कौन है तू?
नागा, तूने मुझे पहचाना नहीं! मैं हूं तेरा भाई प्रो॰ पोंगल!
पोंगल!
पोंगल। मेरे भाई! तू जिन्दा है! मुझे तो खबर लगी थी कि तू मर गया था।

मैं मरा नहीं था, हालांकि खूनी दानव ने मुझे मारने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। उसने तो...
...मुझे अपने विशाल पांव के...
आ...ई
पोंगल के बारे में जानने के लिये पढ़ें महाबली शेरा और खूनी दानव'

ओह! लेकिन अब क्या चाहता है तू?
तेरी मदद से खूनी दानव को दुबारा जीवित करना चाहता हूं मैं...
...तू अपनी तंत्र विद्या से उसके कंकाल को मांस व खून देगा और मैं अपने साईंटिफिक तरीके से उसे जिन्दगी दूंगा...
...खूनी दानव के जीवित होने के बाद ही पूरा विश्व झुकेगा हमारे कदमों में।
बोल, मेरा साथ देने को तैयार है तू?
हां!
कुछ देर बाद -
वर्षों से मैं इस नाग कुन्ड में मृत नागों का संग्रह करता आ रहा हूं। इनको अपनी तंत्र विद्या में प्रयोग करना चाहता था मैं, लेकिन अब ये नाग इस कंकाल को शरीर देने में काम आयेंगे।
वाह! खूनी दानव के कंकाल पर नागों का मांस सोने पर सुहागा हो जायेगा ये तो।

और नागा बाबा जुट गया अपने काम में...
...जिसे बहुत जल्द अंजाम दिया उसने।
मांस चढ़ चुका है इस पर। अब इसे खून चाहिये...
...101 मासूम बच्चों का खून।

101 मासूम बच्चों का खून कहां से आयेगा ?
शहर से।
लेकिन कैसे ? कौन लाएगा ?
इसकी चिन्ता तुम मत करो, मैं सब इन्तजाम कर लूंगा।
अगले दिन शहर में अजीब घटनायें घटने लगीं।
बच्चे !
पीं... पीं... पीं...
बीन की आवाज सुनकर...
पीं... पीं...
...बच्चे खेलना भूल गये।
पीं... पीं...
कितनी अच्छी बीन बजा रहा है वह सपेरा।
आ अज्जू, उसके पास चल कर सुनते हैं।

जल्दी ही सपेरे के आस-पास इकट्ठे हो गये बच्चे –

पीं... पीं... पीं...

और एक पल बाद ही चमत्कार हो गया। मंत्रमुग्ध बच्चे नीचे गिरकर सांप में बदलने लगे।

पीं... पीं... पीं

हो गया मेरी बीन का असर।

...और फिर वे सांप बच्चों को लेकर उड़ जाते।
शहर में कई विचित्र ढंगों से गायब होने लगे थे बच्चे।
इन घटनाओं से पुलिस हैडक्वार्टर में तूफान आया हुआ था।
पिछले दो दिनों में अस्सी बच्चों का अपहरण हो चुका है...
...और हम अभी तक अपहरणकर्ताओं का सुराग भी नहीं खोज पाये हैं।
ओह!
सचमुच कमाल है ये तो।
अगर तुम दोनों इस रहस्य को खोलने में प्रशासन की मदद कर सको तो बहुत मेहरबानी होगी तुम्हारी।
इसमें मेहरबानी जैसी कोई बात नहीं है कमिश्नर अंकल! यह तो हमारा फर्ज होगा।
इतने भारी पैमाने पर बच्चों का अपहरण कौन कर रहा होगा?
जो भी हो, हमें उसे जल्द ही खोजना होगा राम!
अभी एक चिल्ड्रन पार्क तक ही पहुंचे थे दोनों कि—
आ...ई...ई...
बचाओऽऽऽ
!!!

बचाओ SSS
लगता है, कोई गड़-बड़ है।
आओ देखते है।
दोनों ने तीर की सी तेजी से पार्क में प्रवेश किया...
और अन्दर का दृश्य "रेल" "फ्रीज" होकर रह गये।
आई..ई..ई..
नहीं!!
मम्मी, बचाओ SSS।
तो इस रहस्यमयी ढंग से गायब हो रहे हैं बच्चे।
ओ..नो!
फायर भी नहीं कर सकते। गोली किसी भी बच्चे को लग सकती है।
तभी दोनों की आँखें आश्चर्य से फटती चली गईं।
या अल्लाह! सांप तो बच्चों को लेकर उड़ रहे हैं।
उफ! इन्हें कैसे रोका जाए?
अगर हम इन्हें रोक नहीं सकते तो इनका पीछा करने का प्रबन्ध तो कर ही सकते हैं।
बेहद फुर्ती से जेब में रेंगा रहीम का हाथ...

...और एक नन्ही-सी वस्तु जेब से निकाल कर उसने उछाल दी एक बच्चे की तरफ।
और सबके देखते ही देखते —
उफ! -चले गये।
अब यहां से चलो। बग ट्रांसमीटर द्वारा हमें पता चल जाएगा कि यह सांप बच्चों को कहां ले जाते हैं।
शीघ्र ही —
मेरी रिस्ट वॉच ने ट्रांसमीटर के संदेश कैच करने शुरू कर दिये हैं। दायें चलो।
बीप बीप
बीप
राम ने मोटर साइकिल को रहीम के बताये रास्ते पर भगा दिया।
दूसरी तरफ नागा पहाड़ी पर —
लो, बाकी बचे इक्कीस बच्चों को भी मेरे नाग सेवक ले आये।
हमारा लक्ष्य पूरा हो चुका है। अब तुम अभी से अपना काम शुरू कर दो।
ठीक कह रहे हो, आओ।
लेकिन वे इस बात से बेखबर थे कि एक आदिवासी यह सब देख रहा है।
!!!

कोई तगड़ा
पनप रहा है वहाँ, इसकी सूचना तुरन्त महाबली शेरा को देनी होगी।
उधर महाबली शेरा की गुफा में —
मित्र कालाप्रेत, इनसे मिलो। ये डॉक्टर थामसन हैं, जिनका मैंने तुमसे जिक्र किया था।
हैलो डॉ०! तुमसे मिल कर खुशी हुई।
मुझे भी।
शेरा मुझे बता रहा था कि आप पिछले कुछ महीनों से जंगल में उगने वाले नरभक्षी पेड़ों पर रिसर्च कर रहे हैं।
जी हां, आप तो जानते ही हैं कि नरभक्षी पेड़ अन्य पौधों की अपेक्षा कई गुणा तेजी से बढ़ते हैं।
जी हां! यह बात तो हर जंगलवासी जानता है।
मेरी रिसर्च का यही विषय था कि नरभक्षी पेड़-पौधे इतने तेजी से क्यों बढ़ते हैं?
और आपको यह जान कर खुशी होगी कि मैंने उन पौधों में मौजूद उन जरासीम का पता लगा लिया है, जो उनके तेजी से बढ़ने में सहायक हैं।

लेकिन इन जरासीम को ढूंढने का क्या फायदा है?
फायदा! मि० कालाप्रेत, मेरी खोज कृषि विज्ञान की दुनिया में एक चमत्कार है। जरा सोचिए इन जरासीम की मदद से हम महीनों में तैयार होने वाली फसल कुछ ही देर में तैयार...
...कर सकते हैं। मेरी यह खोज विश्व से भुखमरी की समस्या समाप्त कर देगी।
ओह! यह बात तो मैंने सोची ही नहीं थी वाकई आपकी खोज मानवता के लिये वरदान है।
यही नहीं मित्र, डॉ० दिवाकर की यह दवा पशुओं का आकार-प्रकार भी दैत्याकार कर सकती है।
क्या?
जी हां, पशुओं पर यह जरासीम बहुत तेजी से असर करते हैं। पर आप चिन्ता मत कीजिये मैं इसका प्रयोग केवल कृषि क्षेत्र में ही करूंगा
तभी–
महाबली! महाबली!!
!!!
क्या हुआ गोगिया? इतने घबराये हुए क्यों हो?

ने जो बताया, उसे सुनकर उछल ही पड़ा महाबली शेरा।
क्या बक रहे हो तुम?
यह सच है महाबली! वह शहरी बच्चे ही थे, जिन्हें नाग उठाये विकराला के जंगल में स्थित नाग पहाड़ी पर पहुंचे थे। मैंने सबकुछ अपनी आंखों से देखा है।
ओह! सचमुच अविश्वनीय है ये बात।
हमें तुरन्त इसका पता लगाना होगा शेरा।
ठीक है।
आप यहीं ठहरियेगा प्रो० साहब, हम लौट कर मिलते हैं आपसे।
ओ० के०!
तुरन्त ही—
अभी दोनों सोना के जंगलों को पार करके आगे बढ़ ही रहे थे कि अचानक चौंक पड़े।
जंगल में मोटर-साइकिल।
उसके सवार मुझे कुछ जाने-पहचाने लगते हैं।
घर्र...
घर्र...
घर्र...!

जल्दी ही-
कालाप्रेत और महाबली अंकल!
अरे! ये तो राम-रहीम हैं।
वर्षों बाद आपसे मिलकर बहुत खुशी हो रही है महाबली अंकल।
लेकिन तुम इस समय जंगल में कैसे?
कालाप्रेत के पूछने पर राम ने सारी बात उन्हें बता दी।
पूरी बात सुनकर-
ओह! इसका मतलब गोगिया ने हमें सही सूचना दी थी।
हां, इस जंगल में कोई गहरा षड्यंत्र रचा जा रहा है अंकल और इसका पता लगाना तुरन्त जरूरी है।
तुम ठीक कहते हो, आओ चलें।
चारों तेजी से आगे बढ़ रहे थे।
उफ! ये संकेत तो लगता है सोना के जंगलों के पार वाले विकराला के जंगल से आ रहे हैं।
लगता है अपराधी विकराला के जंगल में ही छुपा है।
जल्दी ही—
संकेत उस नाग पहाड़ी की ओर से आ रहे हैं।
हमें सावधानी से उधर ही बढ़ना होगा।

चारों नागा पहाड़ी की तरफ बढ़ने लगे।
दूसरी ओर नागा पहाड़ी में —
ये एक सौ एक बच्चों के खून से भरे प्याले हैं। इन्हें एक-एक करके दानव के मुंह में डालना है हमें।
ठीक है नागा!
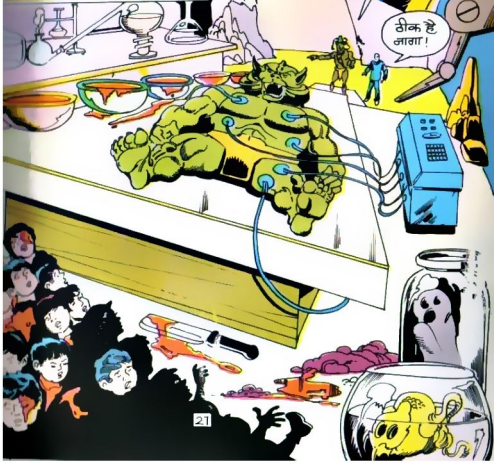
फिर दोनों जुट गये खूनी दानव को खून पिलाने में।
कुछ देर बाद—
ठीक है।
खून पिलाने की प्रक्रिया खत्म हुई। अब इसे जिन्दा करना तुम्हारा काम है।
तुरन्त ही अपने काम में जुट गया पोंगल।
अभी एक क्षण भी नहीं बीता था कि नागा बाबा चौंक पड़ा।
स्वामी... स्वामी...
हैं! रक्षक नाग की पुकार! इसका मतलब कोई शत्रु नाग पहाड़ी के पास आने की कोशिश कर रहा है।
पोंगल खूनी दानव के मुंह में रसायन डाल रहा है। इसका मतलब खूनी दानव के जीवित होने में अभी कुछ समय है।

तनी देर तक
को मुझे
ही शक्तियो
रोकना होगा।
अगले पल प्रकट हुए –
लंगूरा
खोपड़ा
सिंहोला
कुल्हाड़ू
क्या आज्ञा है स्वामी ?
...तुम्हें उन्हें रोकना है।
जो आज्ञा स्वामी !
चारों मृत्यु दूतों ने रास्ता रोक लिया शेरा, कालाप्रेत और राम-रहीम का।
खों... खों...
खों...खों...
उफ! ये चारों तो बहुत खतर-नाक लगते हैं।
गुर्र...गुर्र...
ये अचानक न जाने कहां से आ टपके।
गूरा, खोपड़ा,
हौला और
हाड़ा, मेरे
दुश्मन इस
रहे हैं...

अब तो इनसे टकराना ही होगा।
अगले ही क्षण भिड़ गये चारों
कालाप्रेत ने संभाला सिंहोला को।
राम ने खोपड़ा को।
महाबली शेरा भिड़ रहा था कुल्हाड़ से।
ठक
तेरे कुल्हाड़े का कोई वार नहीं चलने दूंगा।
और रहीम लंगूरा से।
तेरी इन डेढ़ हड्डियों को तोड़ कर तेरे हाथ में न दे दिया तो रहीम मेरा नाम नहीं।
धाड़

...वह उस पर आ कूदा।
लेकिन लंगूरा वहां था कहां? वह तो कब का लंगूर की भांति उछल कर पेड़ से लटक चुका था।
उफ़!
और फिर रहीम के संभलने से पहले ही...
उफ। मैं इसकी फुर्ती का मुकाबला नहीं कर सकता। इसके लिये कुछ और सोचना होगा।
यह बेल शायद मदद कर सके।
रहीम के एक शक्तिशाली झटके से जड़ से उखड़ गई वह बेल।
इस बार जैसे ही लंगूरा कूद कर रहीम की तरफ आया।
आ साले, अब तुझे मजा चखाऊंगा।

समझ भी न सका लंगूरा कि कब बेल ने उसे जकड़ लिया। और जब तक वह समझ पाता...

खौं... खौं

खौं... खौं...

...चक्कर घिन्नी बना डाला था रहीम ने उसे...

...और फिर—

ठाक

खौं... खौं...

मर दुष्ट!

इधर राम का प्रतिद्वन्द्वी खोपड़ा उस पर भारी पड़ रहा था। कारण था उसकी आंखों से निकलती अग्नि किरणें।

उफ! इसकी सारी शक्ति इसकी आंखों में है।

और इनसे निपटने का तरीका मैंने सोच लिया है।

सचमुच एक नायाब तरीका सोचा था राम ने। वह फौरन अपनी कमीज़ उतारने लगा खोपड़ा से निपटने के लिये।

अगले पल राम ने खोपड़ा का सिर कमीज़ से दबोच लिया।

अब तो वार करने में देर करने का मतलब ही नहीं था।
कड़ाक
आ...ई... ई..!

राम के इस शक्तिशाली वार ने खोपड़ा की गर्दन की हड्डी तोड़कर मौत बख्श दी थी उसे।

कालाप्रेत और शेरा भी अपने दुश्मनों को मात दे रहे थे।
गुर्र...गुर्र...र
धड़ाक
अब अवश्य मरेगा तू कुत्ते!

धड़ाक
कुल्हाड़ा हाथ में होने से कुछ नहीं होता। सटीक वार करना भी आना चाहिये।
अपनी शक्तियों का यह हाल देख दंग रह गया था नागा—
उफ! खोपड़ा, लंगूरा खत्म हो चुके हैं और कुल्हाड़ व सिंहोला खत्म होने जा रहे हैं।
लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।
नागा के हाथ से निकल कर किरणें...
...आगे बढ़ीं...
...और जा टकराईं सिंहोला और कुल्हाड़ से।
ओह! यह क्या?
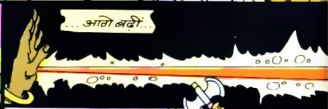
अगले ही क्षण शेरा और कालाप्रेत को लगा तेज झटका...
ओह!
उफ!
...और आ गिरे नीचे...
...इसी के साथ दोनों शैतानों ने कर दिये वार।
गुर्र... र्र... र्र...
अब कुल्हाड़ू का कुल्हाड़ा मौत बनकर बरसेगा तुम पर।
राम-रहीम ने सही मौके पर उछलकर बचाया दोनों को।
बचो अंकल!
उफ!
हा... हा... हा...! देखते हैं कब तक बचते हो तुम मेरे कुल्हाड़े से निकलते इन तीरों से।
और सिंहोला द्वारा छोड़े गये पंजों से—
गुर्र... र्र...
गुर्र... र्र...
चारों को अपनी मौत नजर आ रही थी, कुल्हाड़ू और सिंहोला के रूप में।
उफ! अब नहीं बचेंगे हम!

कुछ ही पलों में विवश हो गये चारों —
ग्र्र्र
हा... हा... हा...
उनकी इहलीला समाप्त करने के लिये उठे सिंहोला के हाथ व कुल्हाड़ू का कुल्हाड़ा।
लेकिन वार न हो सका, क्योंकि उससे पहले ही प्रगट हुई ज्वाला।
क्शीय
क्शीय

भूचाल और धनुर्धर
हमारे होते राम-रहीम का अनिष्ट सोचने वाला जीवित नहीं बच सकता।
आहा! ज्वाला, धनुर्धर और भूचाल!
!!!
ज्वाला, भूचाल और धनुर्धर के बारे में जानने के लिए पढ़ें राम-रहीम का 'खूनी ज्वालामुखि और नरपिशाच'
ज्वाला की अग्नि ने तो जीवित छोड़ दिया तुम्हें। लेकिन...
...मेरे बाण ऐसी भूल नहीं करेंगे।
...ने मौत बख्श दी दोनों को –
आऽऽह
गर्रर्र
ऽऽऽ
धनुर्धर के छोड़े तीरों...

उन्हें मारने के बाद —
तुम तीनों अचानक यहां कैसे आ गये ?
गुरुजी ने अपनी दिव्य-दृष्टि से तुम्हें संकट में फंसा देख लिया था, इसीलिए उन्होंने तुम्हारी मदद को तुरन्त हमें भेज दिया।
ठीक उसी समय गुफा के अन्दर—
इसे होश आ रहा है। नागा, तुम्हें पूरा विश्वास है न तुम इसे कंट्रोल कर लोगे। कहीं ऐसा न हो, यह हम पर ही हमला कर दे।
फिर राम कालाप्रेत व शेरा का उन तीनों से परिचय करवाने लगा।
चिन्ता मत करो पोंगल। इसका पूरा शरीर नाग-मांस से बना हुआ है...
...और तुम जानते ही हो कि दुनिया का कोई भी नाग मेरी इस बीन की स्वर लहरी के जाल से बच नहीं सकता।
कुछ क्षण बाद —
चीऽऽऽ
चीऽऽऽ
नागा, वह पूरी तरह होश में आ गया है।
इधर खूनी दानव जागा...

...उधर बीन बजानी शुरू कर दी नागा ने
पींऽऽऽ पींऽऽऽ
बीन की धुन पर मंत्र-मुग्ध हो उठा वह शैतान—
पींऽऽ पींऽऽ पीं
शाबाश नागा! शाबाश। विश्व की सबसे प्रलयंकारी शक्ति को वश में...
... कर लिया तुम्हारी बीन ने।
उधर बाहर—
यह बीन की आवाज कैसी आ रही है गुफा के अन्दर से।
कोई गड़बड़ लगती है दोस्तो।
आओ देखते हैं।
पींऽऽऽ पींऽऽऽ
सभी ने आगे बढ़ना चाहा...
...तभी बीन बजाने वाले खुद बाहर आ गये।
हा... हा... हा
???

कौन हो तुम?
तुम नहीं जानते मुझे, लेकिन मैं खूब अच्छी तरह जानता हूं तुम्हें। तुम वही -यारों हो, जिन्होंने मेरे खूनी दानव को खत्म किया था।
खूनी दानव!
खूनी दानव से क्या संबंध था तुम्हारा?
खूनी दानव को बनाया था मैंने। पूरी दुनिया को अपनी शक्ति दिखाने के लिये...
...ईजाद की थी उसकी। लेकिन तुमने उसे खत्म करके...
...मेरे सपनों को मिट्टी में मिला दिया पर इस बार ऐसा नहीं होगा। तुम लाख कोशिशों के बाद भी खूनी दानव को खत्म नहीं कर पाओगे।
क्या?
इसका मतलब तुमने खूनी दानव को पुन: जीवित कर दिया है?
हां, खूनी दानव को एक बार फिर वापस लाया हूं मैं। और इस बार दुनिया को मानना होगा कि दुनिया में दो भगवान हैं। एक ऊपर वाला और एक डॉ० पोंगल। हा... हा... हा...!

अगले पल —
खूनी दानव बाहर आओ!
ौर एक भयंकर गर्जन से कांप
ठी नाग
हाड़ी।
वोंऽऽऽकी
ऽऽऽवों
वों
हे भगवान्! इस शैतान ने तो वाकई खूनी दानव को पुन: जीवित कर दिया है।

तभी–
खूनी दानव, टूट पड़ो इन पर।
आदेश मिलते ही...
...जमीन को रौंदता हुआ आगे बढ़ा खूनी दानव।
बां... बा...
कुछ करिये महाबली अंकल। खूनी दानव हमारी तरफ बढ़ रहा है।
बगैर आधुनिक हथियारों के खूनी दानव से टकराना मूर्खता होगी। यहां से भागना ही ठीक होगा।
शेरा की बात सुनकर बिफ उठा रहीम –
ये आप कैसी कायरों वाली बा कर रहे हैं। हम भागेंगे नहीं, बल्कि इसका मुकाबला करें
समझने की कोशिश करो रहीम! महाबली अंकल ठीक कह रहे हैं। हमें यहां से भागकर इसे खत्म करने के इन्तजाम करने होंगे, वरना यह शैतान पूरी दुनिया में तबाही मचा देगा।
लेकिन यहां से भागकर भी कौन-सा हम बच जायेंगे। खूनी दानव कब तक भागने देगा हमें?
इसका इलाज है मेरे पास। लेकिन इसके लिये हमें कुछ समय चाहिये।

तभी ज्वाला कह उठी–
उसकी चिन्ता तुम मत करो। इसे आगे बढ़ने से हम रोकेंगे।
हां मित्रो,तुम जाकर अपना कार्य करो। तब तक हम रोकते हैं इसे।
वाँ...वाँ...वाँ
ज्वाला ठीक कह रही है। भागो!
बिना एक क्षण गंवाये भाग उठे चारों।
चारों तेजी से आगे बढ़ रहे थे।
कहां चलने का इरादा है शेरा?
मेरी गुफा में।
क्या है महाबली शेरा की गुफा में, जो खूनी दानव को रोक सकता है?
वाँ वाँ
इधर खूनी दानव के सामने आ खड़े होने पर धनुर्धर, ज्वाला और भूचाल ने तुरन्त ही उस पर अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया...
बस, यहां से आगे नहीं बढ़ने दूंगा तुम्हें।
...लेकिन खूनी दानव ने उन तीनों के इरादों पर पानी फेर दिया था।

उफ! इस पर तो हमारी शक्तियों का ही नहीं हुआ।
इसका मतलब इसे खत्म करना सच-मुच मुश्किल है।
एक तरीका आया है मेरे दिमाग में इसे रोकने का।
इस बार भूचाल ने किया अपनी धरती-फाड़ शक्ति का इस्तेमाल।
वाह भूचाल! तुमने तो कमाल कर दिया। उस खूनी दानव को जिन्दा जमीन में दफना...
लेकिन ज्वाला की बात अधूरी रह गई। खूनी दानव फौरन बाहर निकल आया धरती फाड़कर।
यह देख -
उफ! पहली बार अपने वार को असफल होता देख रहा हूं मैं।
अपनी से अब इसे रोक नहीं
अब इसे रोकने की जरूरत भी नहीं है। राम और उसके मित्र अब तक यहां से बहुत दूर निकल चुके होंगे।
तुरन्त ही तीनों वहां से अदृश्य हो गये।
अब हमारा यहां कोई काम नहीं। निकल चलो यहां से।
पता नहीं राम-रहीम और उनके मित्र इस संकट से निपट भी पायेंगे या नहीं।

इधर—
तुम्हारे कहने का मतलब है, मैं इन जरासीम को इस चिंपाजी में इंजेक्ट करके इसे सौ फुट का कर दूं।
जी हां प्रोफेसर साहब। यदि आपके जरासीम ने यह चमत्कार कर दिखाया तो समझ लीजिए आपने दुनिया...
...को विनाश से बचा लिया है।
दुनिया का विनाश, मैं कुछ समझा नहीं।
आपको पूरी बात मैं बताता हूं। सुनिये।
पूरी बात सुनकर—
क्या? खूनी दानव! वह शैतान फिर जीवित हो गया।
जी हां!
अब देर न कीजिये प्रोफेसर साहब, तुरन्त ही अपना काम शुरु कर दीजिये।
ठीक है!
प्रोफेसर दिवाकर ने वह अद्‌भुत जरासीम उस चिंपाजी की बांह में इंजेक्ट कर दिये और...
...देखते ही देखते वह चिंपाजी 100 फुट ऊंचे भयंकर गोरिल्ले में बदल गया।
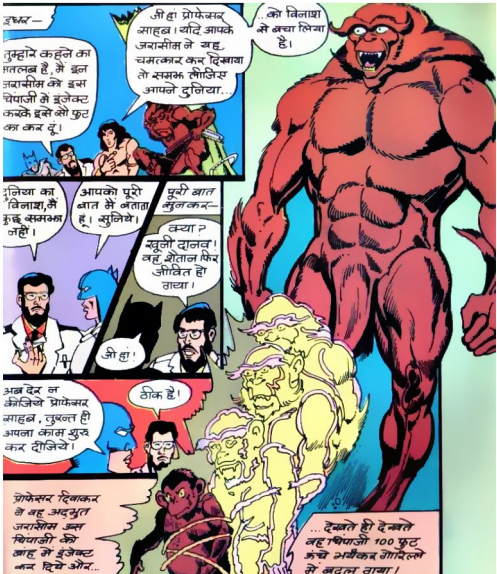
उसके दैत्याकार बनते ही शेरा के मुंह से गोरिल्ले की आवाज निकली।
चिंssयां ssss
जवाब में गोरिल्ला भी चीखा—
चिंssयां
अगले पल शेरा उसकी भाषा में उसे खूनी दानव पर हमला करने के लिये आदेश देने लगा।
चिंsss यांsss
आदेश मिलते ही गोरिल्ला उस ओर भाग लिया, जिधर से राम-रहीम शेरा व कालाप्रेत आए थे।
आइए अंकल, देखते हैं यह कोंगा क्या गुल खिलाता है।
कोंगा! वाह! क्या नाम दिया है।
शीघ्र ही...
वां... वां...
चिंsss यांsss
...दो दानव आमने-सामने थे एक-दूसरे के-
अब क्या होगा?
कुछ नहीं कहा जा सकता। दोनों ही महा शक्तिशाली हैं।
शेरा का कहना सही था। मुकाबला सचमुच दो महाशक्तियों का था...
वां... वां...
...जो केवल एक की मौत पर ही खत्म होना था...

...लेकिन खत्म होने को तैयार कोई भी न था
...न कोंगा...
धड़ाम
...और न खूनी दानव-
सड़ाक
च्चिंऽऽ
वॉं... वॉं...
सड़ाक
अचानक-
कोंगा तो भाग रहा है अंकल।
कोंगा के भागने में जरूर उसकी कोई चाल है, वरना गोरिल्ले अपने प्रतिद्वन्द्वी को खत्म किये बिना मैदान नहीं छोड़ते।
आपका कहना सही है, प्रोफेसर साहब। देखिये, कोंगा क्या कर रहा है।

ओह! वह तो उस बड़ी चट्टान के पीछे छिप रहा है।
वां वां वां
शेरा का सोचना ठीक था। कोंगा सचमुच चाल चल रहा था।
वह जरूर खूनी दानव पर छिपकर वार करना चाहता है।
जैसे ही खूनी दानव उसके पास पहुंचा, वैसे ही कोंगा बिजली की तेजी से उसकी पूंछ पर झपटा।
चिं sss यां sss
वां... वां
वां... वां... वां
चिं sss यां sss
पूंछ हाथ में आते ही उसने चक्कर घिन्नी बना डाला खूनी दानव को।
वाह! क्या जोरदार चाल चली है कोंगा ने।
कुछ देर हवा में घुमाने के बाद कोंगा ने खूनी दानव को झटके से छोड़ दिया।

बला की तेजी से संभला खूनी दानव और...
वां... वां...
...पास पड़ी चट्टान उठा कर कोंगा पर फेंक मारी।
भड़ाक
चिं..यां...
...और फिर संभल न सका...
सड़ाक
...खूनी दानव की पूंछ की फटकार खाकर।
भारी चट्टान की जबर-दस्त चोट से लड़खड़ा उठा कोंगा...
वां sss वां sss वां
पल-प्रतिपल हावी होता जा रहा था खूनी दानव उस पर।
धड़ाक
उफ! अब कोंगा नहीं बच सकता।
चिं sss यां sss
धड़ाम
अब क्या किया जाये?
यहां से खूनी दानव सीधे शहर की ओर बढ़ेगा। हमें फौरन शहर पहुंच कर चीफ से मिल कर इससे निपटने की रण-नीति तैयार करनी होगी।

सारे वहां से रवाना हो गये।
उधर मौत के दरवाजे पर पहुंच चुका था कोंगा।
वांsss
वांsss
चिंsssयांsss
खूनी दानव के उठे हुए पंजे बेहद तेजी से आकर कोंगा के सीने मे धंस गये।
फच्च
खच
और फिर-
खच्च!
फिर खूनी दानव किसी भूखे कुत्ते की भांति कोंगा की लाश पर टूट पड़ा।

दूसरी ओर चीफ मुखर्जी के ऑफिस में –
यह सच है चीफ, डा० पागल नामक उस पागल वैज्ञानिक ने खूनी दानव को फिर से जीवित कर दिया है।
और अब खूनी दानव शहर की ओर आ रहा है।
तो अब क्या किया जाए उस शैतान को रोकने के लिये?
मेरे दिमाग में एक उपाय है।
वह क्या?
कुछ ही देर बाद –
जंगल से शहर में दाखिल होने का एक ही रास्ता है और वो है काली पहाड़ी वाली खाई का पुल।
हां, फिर?
खूनी दानव को रोकने और खत्म करने की शुरुआत हमें वहीं से करनी होगी।
वह कैसे?
सुनिये, मैं बताता हूं।
फिर राम अपनी योजना सबको समझाने लगा।

कुछ ही देर बाद काली पहाड़ी की ढलानों के ऊपर बने शहर और जंगल को जोड़ने वाले पुल के नीचे।
हर आदमी के हाथ बिजली की-सी तेजी से चल रहे थे –
जल्दी करो। जल्दी करो।
जल्दी करो। पूरी खाई को बारूद से भर दो।
कुछ ही देर की मेहनत के बाद –
काम हो गया ?
यस सर। पूरी खाई को बेहद शक्तिशाली बमों से भर दिया गया है।
और पुल की स्थिति क्या है ?
पुल पर भी हर एक फुट के बाद कई शक्तिशाली बम लगा दिये गये हैं।
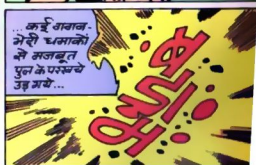
इस रिमोट का बटन दबाते ही सभी एक साथ फट जायेंगे।
थैंक गॉड। समय रहते ही तैयारी हो चुकी है। बस, अब खूनी दानव के आने की देर है।
और उन्हें ज्यादा इन्तजार नहीं करना पड़ा...
धां... धां...
कुछ ही पलों बाद नजर आया खूनी दानव।
आ बेटा खूनी दानव। देखता हूं कितनी ताकत है तुझमें।
और थोड़ी देर बाद जब खूनी दानव ने पुल पर कदम रखा तो आंखें चमक उठीं राम की।
कुछ कदम और, फिर सीधा मौत के मुंह में आयेगा तू।
फिर जैसे ही खूनी दानव पुल के बीच में पहुंचा...
धां sss धा sss
...वैसे ही...
खट
...कई गगन-भेदी धमाकों से मजबूत पुल के परखच्चे उड़ गये...
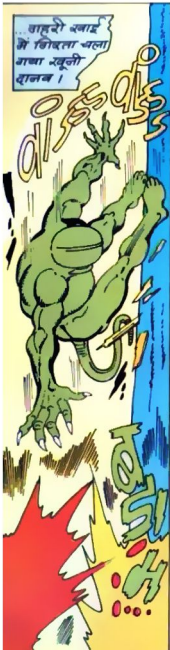
...गहरी खाई में गिरता चला गया खूनी दानव।
वांऽऽऽवांऽऽऽ
बड़ाम
और जैसे ही उसका शरीर खाई की सतह से टकराया, वातावरण पुनः थर्रा उठा भीषण धमाकों से।
वांऽऽऽ वांऽऽऽ
बड़ाम
बड़ाम
बड़ाम
कई घण्टों तक खाई में धमाके होते रहे...
फिर शान्ति छा गई –
तुम्हारा प्लान कामयाब रहा राम! खूनी दानव खत्म हो गया।
अल्लाह का लाख-लाख शुक्र है, वरना आज कयामत बरपा हो जाती शहर में।
हर एक के चेहरे पर छाई खुशी...

...अचानक इस भयंकर आवाज को सुन कर उड़नछू हो गई।
!!!
!!!
धाँऽऽऽ धाँ
और उस समय तो होश ही फाख्ता हो गये उनके, जब उन्हें खाई से निकलता दिखा–
हे ईश्वर! ये अभी तक जिन्दा है।
खूनी दानव!
अरे!
सभी भाग खड़े हुए।
या अल्लाह!
भागो!
मगर शेरा को अभी भी कुछ उम्मीद थी।
बारूद की यह पेटी अपने साथ लिये चलता हूं, काम आयेगी।
बारूद की पेटी को क्यों उठा लाये शेरा!
इसके बल पर खूनी दानव को रोकने का एक तरीका मुझे भी सूझा है।
क्या?
शेरा ने बताया वह तरीका।
तरीका तो सही है अंकल, लेकिन इसमें हम सबकी जानें भी जा सकती हैं।
खूनी दानव को खत्म करने के लिये इतना रिस्क तो हमें लेना ही होगा।
ठीक है अंकल, आप खूनी दानव को अपने पीछे लगा कर वहां पहुंचिए। हम वहां का मोर्चा संभालते हैं।
ओ.के!
कहां पर मोर्चा लगाने की बात कर रहे हैं ये लोग?
फौरन ही बारूद की पेटी लेकर भाग खड़े हुए दोनों–
और तेज राम!
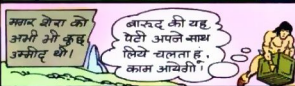
जल्दी ही –
बम इस तरह लगाना रहीम कि बम का असर ज्यादा से ज्यादा हो।
यह क्या? ये दोनों यहां बम क्यों लगा रहे हैं?
दोनों बेहद तेजी से काम में जुटे हुए थे –
कुछ ही पलों बाद –
काम हो गया। अब देखना यह है कि महाबली और कालाप्रेत अंकल...
...खूनी दानव को अपने पीछे लगा कर यहां तक पहुंच पाते हैं या नहीं!
उधर कालाप्रेत और शेरा बेहद तेजी से आगे भाग रहे थे...
और तेज दोस्त, यह हमारे जाल में फंस चुका है।
...और उनके पीछे था खूनी दानव।
अचानक...
...नीचे आ गिरा कालाप्रेत।
शेरा!
ओह!
और इससे पहले कि वह संभल पाता, खूनी दानव ने जकड़ लिया था उसे।
उफ! खूनी दानव काला-प्रेत को खाने जा रहा है। कैसे रोकूं उसे?
अचानक आशा की किरण नजर आई शेरा को।
ये चट्टान!
मुझे किसी भी तरह इस भारी चट्टान को उठाना होगा।

अपनी पूरी शक्ति लगा दी शेरा ने चट्टान उठाकर खूनी दानव के खुले मुंह की तरफ फेंकने में।
व्हिssss!
गाप्प
शेरा के इस वार ने एक पल के लिये हड़बड़ा दिया खूनी दानव को।
और यही पल बहुत था कालाप्रेत के लिये।
बस, अब तू मुझे नहीं पकड़े रह सकता।
क्रोध से तिलमिलाता खूनी दानव कालाप्रेत पर झपटा-
ओह!
एक बार फिर दोनों जान छोड़ कर भाग रहे थे खूनी दानव से बचने के लिये-
वाँ... वाँ...
जल्दी ही-
वो दोनों आ रहे हैं, अपनी रिवाल्वर जल्द निकाल लो रहीम!
फायर!
जैसे ही महाबली शेरा और कालाप्रेत ने वह दर्रा पार किया

धांय
धांय
खट
खट
बड़ाम
और फिर बमों के तेज धमाके ...
भड़ाम
...के साथ दोनों ओर की पूरी पहाड़ियां भर-भरा कर खूनी दानव के ऊपर आ गिरीं।
वां ऽऽऽ
गड़ ... गड़
आगे भागे हुये लोग अब धीरे-धीरे वापस आते जा रहे थे।
कुछ ही पलों में...
...बेबस हो कर रह गया खूनी दानव।
हे भगवान्! कितने लम्बे दांत हैं इसके!
हाय! आंखें तो देखो, जैसे लोहा गलाने की कोई भट्टी हो!
अंकल, अब पेट्रोल से भरे कुछ हैलीकॉप्टर मंगवाइये। इस समय बेबस हो गया है खूनी दानव। उसे...
ओ.के.!
...पेट्रोल की आग में जला-कर हम खत्म कर देंगे।

इधर लोगों ने तमाशा बना लिया था खूनी दानव को—
स्माइल प्लीज!
हिच्च! आज अपुन अपनी बोतल तेरे साथ बैठ के पियेगा! हिच्च!
तभी अचानक...
अरे!
उफ!
भागो!
हिच्च! अरे, ये तो नाराज हो गया। भागो! हिच्च!
ओह!
... भागना चाहा लोगों ने ...
...मगर खूनी दानव ने ऐसा मौका किसी को न दिया।
आई... ई...
आई... ई... ई...
स्वच्च
आई... ई... ई...
भचाक
आ SSS
उफ! हमारे हमलों ने खूनी दानव के गुस्से की आग में घी का काम किया है। अब यह कहर बनकर टूटेगा लोगों के ऊपर...

न जाने चीफ अंकल पेट्रोल से भरे हैली-कॉप्टर लेकर अभी तक क्यों नहीं पहुंचे।
अगर वे जल्दी ही न आये तो अनर्थ हो जायेगा।
तभी एकाएक आकाश हैलीकॉप्टरों की गड़-गड़ाहट से गूंज उठा।
गड़..गड़
गड़...गड़...
भागो यहां से, अब यहां पेट्रोल की बारिश होगी और फिर लगेगी भयंकर आग।
शेरा, कालप्रेत, राम-रहीम और अन्य लोग तुरन्त ही वहां से भाग खड़े हुए।
राम का कहना सही था। दूसरे ही क्षण खूनी दानव के ऊपर पेट्रोल की बारिश होने लगी।
जल्दी ही –
अब ये हैन्डग्रेनेड अपना काम दिखायेंगे।
जल्दी ही दोनों हैन्ड-ग्रेनेड पेट्रोल के पास पहुंच कर आपस में टकराए और–
धड़ाम
अगले पल खूनी दानव आग के शोलों से घिरता चला गया।
भक्क
अब नहीं बच सकेगा खूनी दानव!

SSSS ग्रांSSSS
लगभग पाँच घंटे तक उस क्षेत्र में आग ही आग दिखी।
कुछ नहीं दिखाई दिया वहां आग के सिवा।
और फिर आग के खत्म होने के बाद जो पहली चीज दिखी चीफ मुखर्जी को वह था—
खूनी दानव...
...हे भगवान! यह अभी तक जिन्दा और सही-सलामत है।
स-चलो, स विश्व की भी शक्ति नहीं क सकती। ल्दी-चलो।
तुरन्त ही हैलीकॉप्टर को शहर की तरफ मोड़ दिया गया।
पहले से ही पहुंचे राम-शेवा और काला प्रेत को फ मुखर्जी ने वापस आ-पारी बात बताई।
ह! मतलब दानव अब की तरफ रहा है।
हां, ज्यादा दूर नहीं है वो। दस-बारह घंटों में वह...
...शहर में पहुंच जायेगा
...और फिर मचायेगा भयंकर तबाही।
ओह!
तभी—
५८
अरे! लाइट चली गई।

ओह ! लाइट !
इलैक्ट्रिक शॉक से खत्म किया जा सकता है खूनी दानव को।
स्क्सीलेन्ट!
खूनी दानव के रास्ते में हाईटेंशन तारों के जाल को बांधने का इन्तजाम करवाइये। उम्मीद है इस तरीके से उसे आसानी से खत्म किया जा सकता है।
ठीक है, लेकिन इतने बड़े इलाके में हाई टेंशन वायर्स का जाल फैलाने के ...
... लिये तो समय चाहिये।
किस तरह ?
दस - बारह घंटे तो वैसे भी खूनी दानव शहर नहीं पहुचने वाला हमारे ...
... प्रयत्नों से कुछ देर और भी रुक सकता है वो।
मिग विमान वगैरह से उस पर हमले की तैयारी भी करवाइये।
ओ.के.! मैं सारे काम तुरन्त करने के आदेश देता हूं।
कुछ पलों बाद ही सैकड़ों व्यक्ति शहर के बाहर हाईटेंशन वायर्स का जाल फैलाने मे लगे हुए थे।
भर रहा था आकाश खतरनाक मिग-विमानों के इंजनों के शोर से।
और जमीन भर रही थी शक्तिशाली टैंकों के चलने से।
खूनी दानव पर दो तरफ से भयंकर हमला बोल दिया गया।
लेकिन खूनी दानव पर कहां असर होने वाला था इस हमले का।
56

उसके लिये तो मात्र कंचे की गोलियां साबित हो रहे थे घातक विनाशकारी बम।

इस हमले ने और अधिक क्रोधित कर डाला था खूनी दानव को...

...और—

बड़ाम

हर बाधा को तहस-नहस करता आगे बढ़ रहा था खूनी दानव—

कड़ाक

आह!

लेकिन फिर भी काम खत्म होने से पहले ही आ पहुंचा-
dissss
dissss
खूनी दानव आ गया!
भागो!
करंट चालू करो!
भागते-भागते ही अपने हाथ में थमे वायरलैस सेट पर चीखे थे चीफ मुखर्जी।
...जिसकी तरफ बढ़ रहा था खूनी दानव।
दूर पावर स्टेशन में दबा एक लीवर।
और हाईटेंशन तारों में दौड़ने लगा था 25000 वोल्ट का करंट...
...जब तक कि खूनी दानव न पहुंच गया तारों तक-
वह इतने घातक करंट को सह लेगा राम?
कभी नहीं!
अब तो वह मरे ही मरे।
अटकलों का बाजार गर्म रहा तब तक...
वह पहुंच गया खूनी दानव!
एक पल और, फिर खत्म खूनी दानव!
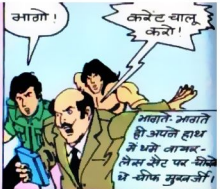
आंखें पथराई थीं सभी की और सांसें थम गई थीं उस समय, जब खूनी दानव टकराया करंट दौड़ती तारों से।
वीssssवीss
चिंह
चियंट
एक पल के लिये खूनी दानव की दर्दनाक चीख से गूंज उठा सारा वातावरण।
और फिर दूसरे पल—
कड़क
अब अपने सामने आई एक और बाधा को तबाह करने में जुट गया खूनी दानव।
सभी के चेहरों पर नजर आने लगी थी उदासी—
अब कुछ नहीं हो सकता। हर तरह से खूनी दानव को रोकने का प्रयास कर चुके हैं हम।
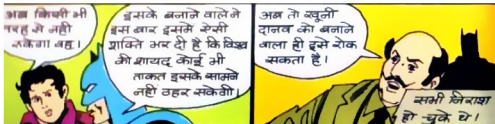
अब किसी भी तरह से नहीं रुकेगा यह।
इसके बनाने वाले ने इस बार इसमें ऐसी शक्ति भर दी है कि विश्व की शायद कोई भी ताकत इसके सामने नहीं ठहर सकेगी।
अब तो खूनी दानव को बनाने वाला ही इसे रोक सकता है।
सभी निराश हो चुके थे।
इसे बनाने वाला ?
पींऽऽऽ
पींऽऽ
अगले पल–
राम, मैं जानता हूं खूनी दानव को किस चीज से कंट्रोल किया जाता है।
किससे ?
उस बीन से, जिसके विचित्र स्वर हमने नाग पहाड़ी पर सुने थे।
बीन ! नाग पहाड़ी !
वेरी गुड अंकल। आप एक दम सही कह रहे हैं।
इसका मतलब हमें उस बीन को प्राप्त करने नाग पहाड़ी जाना होगा।
यस !
लेकिन खूनी दानव का क्या होगा ?
अभी तो वह यहीं उलझा हुआ है। हमें उम्मीद है उसके शहर पहुंचने से पहले ही हम वापस लौट आयेंगे।
फिर भी आप एहतियात के तौर पर शहर खाली करवा दीजिए।
ओ.के. !
मेरी योजना को सब अच्छी तरह समझ गये ना।
गड़ गड़
यस महाबली अंकल।
कुछ पलों बाद विकराला के जंगलों की तरफ आता हैलीकॉप्टर...
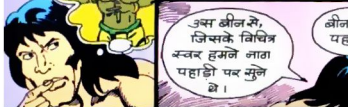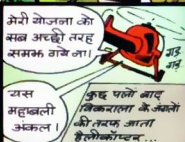
...नाग पहाड़ी से कुछ ही दूर उतरा था।
यहां बेहद सावधानी से आगे बढ़ना होगा हमें।
अलग-अलग दिशा से पहाड़ी की तरफ बढ़ो, मैं उन्हें बाहर निकालने का इन्तजाम करता हूं।
सब अलग-अलग दिशा में फैल गये। तब राम ने अपनी जेब से एक बम निकाल कर उसमें आग लगा दी।
यह बम उन्हें बाहर निकालेगा।
फिर उसने बम दूर उछाल दिया। तेज धमाके से गूंज उठी पूरी पहाड़ी।
धड़ाम
बाहर धमाका कैसा हुआ?
धड़ाम
बाहर चल कर देखना होगा।
जिसने चौंका कर रख दिया था अन्दर बैठे पोंगल और नागा बाबा को—
दोनों बाहर भागे...
...और सामने खड़े राम को देख उबल पड़े—
तुम!
क्यों, हैरान हो न मुझे देखकर
तूने यहां वापस आकर अपनी मौत बुला ली लड़के।
फुssss
ये सांप तुझे जिन्दा नहीं छोड़ेंगे।
लेकिन वे पहुंच न पाये राम तक—
धांय
धांय
इतना आसान नहीं है किसी को मौत देना।
ओह! तो तुम भी हो इसके साथ!
ये ही नहीं, अपुन भी हैं...
...आदाब बजा लाता हूं साहब लोगों को।

उफ! ये चारों हमारी तरफ ही आ रहे हैं। इन्हें अपने बस में करने के लिये मुझे अपनी बीन का प्रयोग करना होगा।
और फौरन दौड़ पड़ा अपनी बीन की तरफ।
फंस गया हमारे जाल में।
पर बजा नहीं पाया वह उसे, क्योंकि—
अरे! सर्र...
खचच
वह तेजी से बीन की तरफ झपटा, तभी—
धड़ाम
ठाक!
अब तेरी बीन दुबारा नहीं मिलेगी तुझे।
रहीम ने छलांग लगाकर उठा ली बीन।
इसी बीन के लिये ही तो हम यहां तक चल-कर आये हैं, प्यारे।
अपनी बीन को गैर के हाथ में देखकर तड़प उठा नागा बाबा।
मेरी बीन को लेकर नहीं जा सकते तुम...
...मेरा सेवक अग्नि नाग ऐसा नहीं करने देगा तुम्हें।
वह हलक फाड़ कर चीखा—
अग्नि नाग!
ओह!
ओफ!

स्सर्र..र्र
बचो!
ओह!
हा...हा...हा...! अग्नि नाग की आग से कब तक बचोगे तुम। हा...हा...हा...।
उफ! इसकी घातक आग से बचना सच-मुच मुश्किल लग रहा है।
तभी रहीम को सूझा अग्नि नाग से बचने का उपाय।
ये बीन शायद इसे रोक सके।
बिना एक क्षण गंवाये रहीम ने बीन बजानी शुरू कर दी।
पीं ऽऽऽ पीं
जिसका तत्काल असर हुआ।
पींऽऽऽ पींऽ
अपनी आग को भूल कर हवा में ही नृत्य करने लगा अग्नि नाग।
अरे वाह! ये तो डिस्को करने लगा।
उफ! बीन बजा कर अग्नि नाग को बस में कर लिया उसने।
अब क्या होगा नागा?

अब तुम्हारा बैंड बजेगा।
धीं
तीनो ने लात-घूसो पर रख लिया था पोगाल और नागा बाबा को।
धक
इधर कालाप्रेत के तेज घूसे से पोगाल के मस्तिष्क से निकली उसकी चेतना –
धाक
आSSS
और उधर शेरा के वार से निकले नागा बाबा के प्राण।
और यहां –
आंय! बेहोश होकर गिर गया।
रहीम, मजाक छोडो और फौरन निकल चलो।
आया भाई जान।
अच्छा प्यारे लाल, चलता हू। मेरा विजटिंग कार्ड रख ले। कभी घर आना, खाना साथ खायेंगे।
कुछ पलों बाद ही वापस शहर की तरफ उड़ रहे थे – चारों।
इस जमूरे को अपने साथ क्यों ले आये?
इसके दिमाग का इलाज करना होगा, और वो राजनगर के पागलखाने में ही हो सकता है।
इस बीन से हम खूनी दानव को जरूर रोक लेंगे।
वह अभी शहर में नहीं घुस पाया होगा।
...लेकिन कालाप्रेत का सोचना गलत था

दानव शहर में
कर चुका था...
आ... ई... ई...!
धड़ाम
उफ!
65

लेकिन सभी गुब्बारों की रस्सियों से रिमोट संचालित बम बंधे होने चाहिये। और साथ ही हेलीकॉप्टर में भी कई शक्तिशाली बम रखवा देना।
ठीक है।
कुछ ही पलों बाद -
इस हेलीकॉप्टर को लेकर ठीक खूनी दानव के ऊपर पहुंचना होगा हमें।
इसमें बहुत खतरा है रहीम।
खूनी दानव को खत्म करने के लिये हमें यह खतरा तो उठाना ही होगा।
एक पल बाद ही हैलीकॉप्टर ठीक खूनी दानव के सिर पर उड़ रहा था।
पींऽऽ
पींऽऽऽ
बीन बजाओ रहीम।
ओ.के.।
रहीम ने तुरन्त बीन बजानी शुरू कर दी...
पींऽऽ
पींऽऽ
...फिर वातावरण गूंज उठा बीन की मधुर आवाज से।
पींऽऽऽ
बीन के स्वर सुनते ही खूनी दानव के तबाही मचाते हाथ रुक गये...
पींऽऽऽ पींऽऽऽ
...और उसने ऊपर देखा -
पींऽऽऽ पींऽऽ

...और तबाही मचा रहा था... भयंकर तबाही...
...और तबाही—
इधर—
वेलकम माई डियर। मुझे उम्मीद थी, तुम जरूर सफल होकर लौटोगे।
अब क्या करना है?
सबसे पहले तो एक ऐसे हैलीकॉप्टर का इन्तजाम कराइये, जिसमें बहुत सारे स्टीरियोफोनिक लाउड-स्पीकर लगे हों।
वो किसलिए?
वो इसलिए अंकल कि इस बीन को कोई खूनी दानव के कान में बैठकर तो बजा नहीं सकता। इसीलिये ऐसा करना जरूरी है। ताकि बीन की आवाज खूनी दानव को चारों तरफ से सुनाई दे।
ओह, समझा! मैं अभी ऐसा प्रबन्ध कराता हूँ।
इसके साथ-साथ गैस से भरे बड़े-बड़े बहुत से गुब्बारों का भी इन्तजाम करवाइये।
वो किसलिये?
अगर मेरा प्रयोग सफल हो गया तो एक प्लान है मेरे दिमाग में खूनी दानव को खत्म करने के लिये। और उसके लिये हमें उन गुब्बारों की जरूरत पड़ेगी।
ओ.के! हो जायेगा ये भी।

बीन के गूंजते स्वर ने जल्दी ही कर दिया था उसे मन्त्र-मुग्ध...
पीं sss पीं sss पीं sss
...और किसी विशाल नाग की तरह झूमने लगा वह।
कुछ ही पलों में अपनी सुध-बुध खोकर बीन की स्वर लहरी पर नाच रहा था वह।
पीं sss
पीं sss
शाबाश रहीम! शाबाश! हम सफल हो गये।
अधिक देर तक अपने पैरों पर खड़ा नहीं रह सका खूनी दानव और—
धड़ाम
खूनी दानव को नीचे गिरते देख—
गुब्बारों को खूनी दानव से बांधो।
क्विक!
ओ.के.!
तुरन्त ही—
उड़ने वाली शक्तिशाली गैसों के सैकड़ों गुब्बारे खूनी दानव के शरीर से बांधे जाने लगे।

और ये क्रम तब तक चलता रहा...
...जब तक...
...उन गुब्बारों ने उड़ा न लिया था खूनीदानव को।
गुब्बारों ने उड़ा लिया खूनी दानव को। अब अपने हैलीकॉप्टर से रस्सी फेंको, ताकि हम उसका दिशा निर्देशन कर सकें।
ठीक है। ये काम मैं फौरन करता हूं।
तुरन्त ही—
पींऽऽऽ
अब गुब्बारों से बंधा खूनी दानव उस हैलीकॉप्टर के साथ उड़ रहा था, जिससे निकल रही थी बीन की स्वर लहरी।
पींऽऽऽ
पींऽऽऽ
पींऽऽऽ
कहां चलने का इरादा है राम ?
वाल्केनो एरिये में।
ओह ! तो तुम खूनी दानव को किसी सुप्त ज्वालामुखी में डालकर खत्म करना चाहते हो ?
हां।
लेकिन खूनी दानव इससे खत्म कैसे होगा? सुप्त ज्वालामुखी भड़केगा कैसे ?
उसे भड़काया जायेगा। एक शक्तिशाली बम ही काफी है किसी सोये हुए ज्वालामुखी को भड़काने के लिये।
बहुत अच्छा प्लान है तुम्हारा। इस तरह खूनी दानव का खात्मा अब निश्चित ही समझो।

कुछ पलों बाद —
वही ज्वाला-मुखी ठीक रहेगा खूनी दानव के लिये।
अगले पल राम के हाथ में थमे रिमोट का बटन दबा...
...और इसके साथ ही —
बड़ाम
बड़ाम
गुब्बारों की रस्सियों से बंधे बमों ने धमाके के साथ गुब्बारों को आजाद कर दिया...
बड़ाम
बड़ाम
...और खूनी दानव आ गिरा सुप्त ज्वालामुखी में —
इसके साथ ही —
ये शक्तिशाली बम सुप्त ज्वाला-मुखी के गुस्से को भड़काने के काम आयेंगे।
जैसे ही बम ज्वालामुखी की सतह से टकरा-कर फटे...
बड़ाम
बड़ाम
...वैसे ही भड़क उठा था सोया हुआ ज्वालामुखी।

ब ड़ा म
कुछ देर बाद निकलने वाला लावा अपने साथ खून और मांस के लोथड़े भी लेकर निकला था।
पूरे विश्व ने चैन की सांस ली थी इस खबर को सुनकर।
उफ! आखिर खूनी दानव को खत्म कर ही डाला हमने।
थैंक गॉड!
DAWN
नहीं, खूनी दानव नहीं मर सकता... फिर आयेगा खूनी दानव... मैं उसे फिर लेकर आऊंगा। हा हा... हा...!
तेरा लाख-लाख शुक्र है परवर दिगार! तूने अपने बन्दों की सुन ली।
जहां एक ओर पूरा विश्व खुशियां मना रहा था। वहीं राजनगर पागलखाने में—
समाप्त